भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 1783
22 दिसंबर, 2022 को उत्तर दिए जाने के लिए

पशुधन पर गर्म हवाओं का प्रभाव

1783. श्री आर.गिरिराजन:
श्री एस. कल्याणसुन्दरम:
श्री एम.मोहम्मद अब्दुल्ला:

क्या पृथ्वी विज्ञान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने इस तथ्य पर ध्यान दिया है कि देश में लम्बे समय तक चलने वाली गर्म हवाओं का पशुधन क्षेत्र पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है क्योंकि जानवर गर्म हवाओं के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं; और

(ख) यदि हां, तो यह ध्यान में रखते हुए कि देश में गर्म हवाओं के प्रतिकूल प्रभाव से निपटने के लिए इनके प्रभाव को तत्काल कम करने और अनुकूलन योजना की आवश्यकता है, सरकार द्वारा क्या निवारक कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं और तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) जी, हां। अध्ययनों के अनुसार, लू के कारण हुआ तनाव श्वसन दर और मृत्यु दर को बढ़ाता है, प्रजनन क्षमता को कम करता है, पशु व्यवहार को परिवर्तित करता है तथा प्रतिरक्षा और अंतःस्रावी तंत्र को प्रभावित करता है, जिससे कुछ बीमारियों के प्रति पशुओं की संवेदनशीलता बढ़ जाती है।

(ख) लू मौसम की प्रतिकूल घटनाओं में से एक है जिसके लिए आईएमडी पूर्व चेतावनी जारी करता है। देश में, अधिकतम तापमानों के साथ-साथ लू में उल्लेखनीय वृद्धि अप्रैल, मई और जून के महीनों में अधिक पाई जाती है। एक पहल के रूप में आईएमडी योजना के उद्देश्य से मार्च के अंतिम सप्ताह में अप्रैल, मई और जून के महीनों के तापमान के लिए ऋतुनिष्ठ आउटलुक जारी कर रहा है। यह आउटलुक इस अवधि के दौरान लू के संभावित परिदृश्य को भी सामने लाता है।

विस्तारित अवधि आउटलुक के बाद अगले दो सप्ताह के लिए ऋतुनिष्ठ आउटलुक प्रत्येक गुरुवार को जारी किया जाता है। इसके अलावा, लू की चेतावनी सहित प्रतिकूल मौसम के लिए पूर्वानुमान और रंग कोडित चेतावनी दैनिक आधार पर आगे के दो दिनों के लिए आउटलुक के साथ अगले पांच दिनों के लिए जारी की जाती है।

आईएमडी दिनभर की गतिविधियों की योजना के निर्माण में सहायता करने के लिए सुबह (8 बजे) लू के संबंध में एक अतिरिक्त बुलेटिन जारी करता है जो 24 घंटे के लिए वैध है और यह बुलेटिन भी सभी संबंधितों को प्रसारित किया जाता है। इन सभी बुलेटिनों को आईएमडी की वेबसाइट पर लू के लिए बनाए गए एक विशेष पेज पर भी पोस्ट किया जाता है।

एक सहायक उपाय के रूप में, आईएमडी ने स्थानीय स्वास्थ्य विभागों के सहयोग से देश के कई हिस्सों में लू के बारे में चेतावनी देने और ऐसे अवसरों के दौरान की जाने वाली कार्रवाई की सलाह देने के लिए लू कार्य योजना शुरू की है। लू कार्य योजना 2013 से चालू हो गई है।

लू कार्य योजना एक व्यापक पूर्व चेतावनी प्रणाली और अत्यधिक लू की घटनाओं के लिए तैयारी योजना है। यह योजना संवेदनशील आबादी पर अत्यधिक लू के स्वास्थ्य संबंधी प्रभावों को कम करने के लिए तैयारी, सूचना-साझाकरण और प्रतिक्रिया समन्वय बढ़ाने के लिए तत्काल के साथ-साथ दीर्घकालिक कार्रवाइयां प्रस्तुत करती है। एनडीएमए और आईएमडी 23 ऐसे राज्यों के साथ लू कार्य योजनाएं तैयार करने के लिए काम कर रहे हैं, जहां उच्च तापमान की संभावना है, जिससे लू की स्थिति पैदा हो सकती है।

लू के पूर्वानुमान और चेतावनी में हाल ही में हुई प्रगति:-

- जीआईएस पर लू मॉनिटरिंग और पूर्वानुमान सूचना
- न्यूनतम तापमान, आर्द्रता और पवन के प्रभावों को शामिल करते हुए भारतीय मानक समय 1600 बजे विशेष लू और उसके प्रभाव बुलेटिन (मार्च से जून) जारी किया जाता है।
- अधिकतम तापमान, न्यूनतम तापमान, आर्द्रता, पवन और अवधि को ध्यान में रखते हुए चार गर्म मौसम महीनों (मार्च, अप्रैल, मई और जून) के लिए पूरे देश के लिए लू खतरा विश्लेषण पूरा हो गया है। इससे लू के प्रभाव को बढ़ाने वाले विभिन्न मौसम विज्ञान संबंधी मापदंडों के आधार पर खतरनाक स्कोर की पहचान हो सकेगी। इन स्कोर को भविष्य में विशिष्ट स्थानों के लिए लू प्रभाव आधारित अलर्ट सृजित करने के लिए सीमा के रूप में उपयोग किया जा सकता है।

लू की सूचना के लिए वेब पेज लिंक है:

https://internal.imd.gov.in/pages/heatwave_mausam.php

आईएमडी ने तेरह सबसे खतरनाक मौसम संबंधी घटनाओं जिनसे व्यापक नुकसान, आर्थिक, मानव और पशुधन का नुकसान होता है, के लिए तैयार वेब आधारित ऑनलाइन "क्लाइमेट हैज़र्ड एंड वल्नरेबिलिटी एटलस ऑफ़ इंडिया" का प्रकाशन भी किया है। इसे https://imdpune.gov.in/hazardatlas/abouthazard.html पर देखा जा सकता है। जलवायु खतरा और संवेदनशीलता एटलस राज्य सरकार के अधिकारियों और आपदा प्रबंधन एजेंसियों को चरम मौसम की विभिन्न घटनाओं से निपटने के लिए योजना बनाने और उपयुक्त कार्रवाई करने में मदद करेगी। यह एटलस लू सहित चरम मौसम की विभिन्न घटनाओं के लिए प्रभाव आधारित पूर्वानुमान जारी करने के लिए आईएमडी की संदर्भ पुस्तक के रूप में कार्य करती है।

****